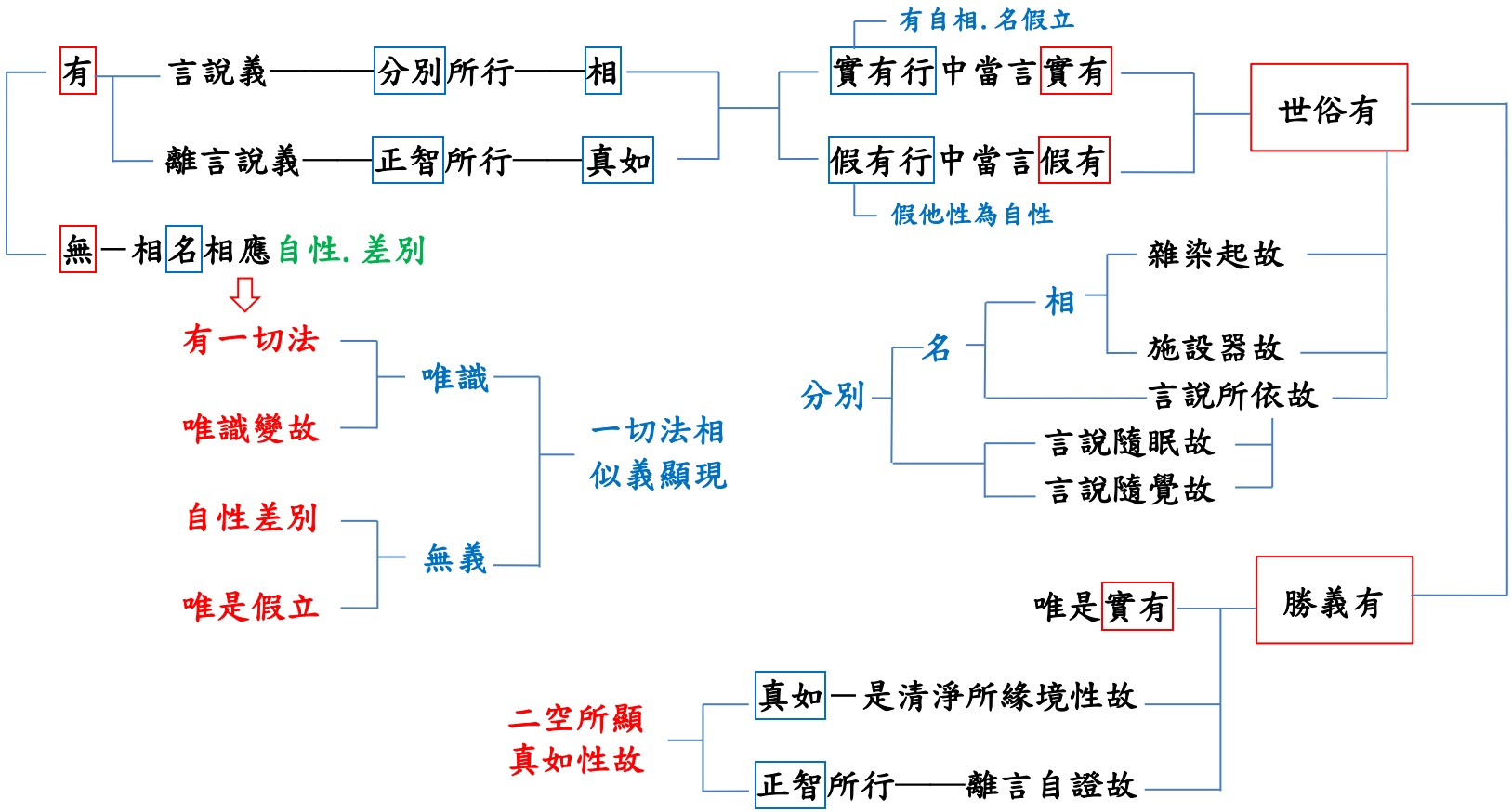楞伽經 103.08.20-108